

Grotius, Hugo.

Grot

- | | | |
|-----|---|--|
| ABE | <i>Poemata omnia</i> . ed. V. Amstelodam. 1670. | 12. <i>Lit. Lat. rec. A. 912.</i>
X |
| ABE | <i>Symphoniacas</i> , tragedia. <i>Christus patiens</i> , tragedia. Amstelodam. 1635. | 12. <i>Lit. Lat. rec. A. 913, I.</i>
X |
| ABE | <i>Silva ad Franciscum Augustum Thuanum</i> . Lutet. Paris. 1634. | 12. <i>Lit. Lat. rec. A. 913, II.</i>
X |
| ABE | <i>Christus patiens</i> , tragedia. Gotlic. [1685] | 8. <i>Lit. Lat. rec. A. 914.</i>
X |
| ABE | id. op. Helmstad. s. a. [1724.] | 8. <i>Lit. Lat. rec. A. 913, I.</i>
X |
| ABE | <i>Leidender Christus</i> . Trauungsged. übersetzt von D. Loh. Willm. m. Portrait. Leipzig. 1723. | 8. <i>Lit. Lat. rec. A. 916.</i>
X |
| ABE | <i>Leidender Christus</i> . Trauungsged. übers. durch Ely. J. v. Lünigsdorff. Jütz. [1750] | 8. <i>Lit. Lat. rec. A. 917.</i>
X |